

मुबारक हो (५६)

प्रघटियो पुटिड़ो श्री रघुराई मुबारक हो मुबारक हो।  
खुशी घर घर में है छाई मुबारक हो मुबारक हो॥

मुबारक दशरथ पट महिषी कौशल्या राम जननी को  
सुमित्रा कैकई माई मुबारक हो मुबारक हो॥

मुबारक राजा दशरथ का सलोनो राम पुटु ज़ाओ  
जरा में ज्योतिड़ी पाई मुबारक हो मुबारक हो॥

गणेश्वर को दिनेश्वर को फणेश्वर को मुबारक हो  
अनुपम कांति जगि छाई मुबारक हो मुबारक हो॥

रमेश्वर को महेश्वर को सुरेश्वर को मुबारक हो  
रमा उमा ऐं पौलोम ज़ाई मुबारक हो मुबारक हो॥

मुबारक गुर वशिष्ठ जी को बणियो प्रोहित श्री रघुकुल जो  
उमंग सां अरुंधती आई मुबारक हो मुबारक हो॥

मुबारक अवध जा वासी नारी नर बाल बुढिड़नि खे  
विश्व सारी आ हर्षाई मुबारक हो मुबारक हो॥

मुबारक गरीबि श्री खण्डि जी कोकिला बृज विहारिनि को  
मुबारक बृजबन साई मुबारक हो मुबारक हो॥